## दिनांक 29 फरवरी, 1996

कर्मांक 265-ज-2-96/5444. —श्री मातादीन पुजारी, पुत्र श्रीमती उद्दीदें बी, निवासी गांव खोरो, तहसील रिवाड़ी, जिला महेन्द्रगढ़ (श्रव रिवाड़ी) की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्कार श्रविनियम, 1948 की धारा 2(ए) (1ए) तथा 3(1ए) के श्रवीन सरकार की श्रविस्थना क्रमांक 176-ज-1-77/6621, दिनांक 11 मार्च, 1977 द्वारा 150 रुपये वार्षिक श्रीर उसके बाद श्रविस्थना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 श्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई बी।

2. अब श्री मातादीन पुजारी की दिनांक 5 आगस्त, 1995 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस जागीर को श्री मातादीन पुजारी की विधवा श्रीमती चमेली देशों के नाम रखी, 1996 से 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शती के अन्तंगत तबदील करते हैं।

## दिनांक 8 मार्च, 1996

त्रमांक 351-ज-2-96/5828.—श्री प्रीतम सिंह, पुत्र श्री मंगल सिंह, निवासी गांव बूडाम, तहसील यनेसर, जिला कुरक्षेत्र की पूर्वी पंजाब युद्ध पुरुस्तार अधिनयम, 1948 की धारा 2(ए) (१ए) तथा 3(१ए) के ग्रधीन सरकार की ग्रिधसूचना त्रमांक 156-ज-1-84/19473, दिनांक 12 जुलाई, 1984 द्वारा 100 रुपये वार्षिक ग्रीर बाद में ग्रिधसूचना त्रमांक 5041-मार-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 150 रुपये वार्षिक ग्रीर उसके बाद ग्रिधसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 ग्रक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई थी।

2. श्रव श्री प्रीतम सिंह की दिनांक 25 मई, 1995 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त श्रिष्ठिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में श्रपनाया गया है श्रीर उसमें श्राज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस जागीर को श्री प्रीतम सिंह की विधवा श्रीमती राज और के नाम रंगी, 1995 ते 1,000 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शती के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

## दिनांक 14 मार्च, 1996

क्रमांक 389-ज-2-96/7039.— की मातू राम, पुन की हाथी राम, निवासी गांव राम लवास, तहतील दादरी, जिला निवानी, को पूर्वी बंजाय बुद बुद्दकार प्रक्रितियम, 1948 की घारा 2(ए) (१ए) तथा 3 (१ए) के ग्रधीन सरकार की प्रक्रियुचना क्रमांक 708-प्रार-1-67/1129, दिनीक 18 अप्रैल, 1967 द्वारा 100 रुपये वार्षिक भीर बाद में प्रधिसूचना क्रमांक 5041-प्रार-XII-70/29505, दिनोक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा 160 रुपये वार्षिक भीर उसके बाद ग्रधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्तूबर, 1979 द्वारा 150 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये वार्षिक की दर से जागीर मंजूर की गई वी।

2. ग्रब श्री मातू राम की दिनोच 25 अप्रैल, 1995 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वक्ष्य हरियाणा के राज्यपाल, उपरोक्त अधिनियम (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की घारा 4 के अधीन प्रदान की नई शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस आगीर को श्री मातू राम की विधवा श्रीकती पारवती के नाम खरीफ, 1993 से 1,000 क्पये वाधिक की दर से, सनद में दी गई शवीं के अन्तर्गत तबदील करते हैं।

(हस्ताभर) . . .

ग्रवर सचिव, दुरियाणा सरकार, राजस्व विभाग ।